प्रगति ग्रामीण विकास संस्था

बैतूल

वार्षिक रिपोर्ट

1 अप्रैल, 2018 से 31 मार्च, 2019

प्रगति ग्रामीण विकास संस्था

वार्षिक –रिपोर्ट वर्ष 2018–2019

प्रगति ग्रामीण विकास संस्था बैतूल द्वारा वर्ष 2018–19 के अंतर्गत संस्था बैतूल जिले के भीमपूर ब्लॉक एवं आमला विकासखण्ड के 30 ग्रामों कार्य किया । आदिवासी समुदाय, महिला, किषोरी बालिकाओं, भिन्न क्षमता वाले व्यक्तियों के जीवन में सुधारात्मक बदलाव व उनके विकास, ग्रामीण समाज में समुदाय के बीच हो रहे जातिगत भेदभाव, छुआछूत व गैर बराबरी को कम कर समाप्त करने, लोगों की आजीविका को सुनिष्चित कर उसे अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने, षिक्षा के अवसरों का पूर्ण लाभ दिलाने, महिला एवं बच्चों को कुपोषण, हिंसा व अत्याचारों से सुरक्षित करने, ग्रामीण समाज की सबसे पिछड़ी पंक्ति के शोषित व पिछड़े समुदाय के लोगों की सामाजिक, आर्थिक व नैतिक स्थिति में सुधारात्मक बदलाव लाने उनके शैक्षणिक स्तर में बदलाव लाने के उद्देष्य से संस्था के कार्यक्षेत्र में गतिविधियों का संचालन किया गया ।

1. **बाल पंचायत :– छात्राओं को** बाल पंचायत आयोजत कर उसमें अपनी षिक्षा संबंधी मुद्दों पर आपसी विचार विमर्ष कर उसे गाँव की पंचायत तक पहुँचाकर आपनी बातों को पंचायत

में रखने की प्रक्रिया पर विचार विमर्ष किया गया । सभी छात्राओं को बाल अधिकार, बाल शोषण, सेक्स या जेण्डर में अंतर तथा समस्या, परिवार के साथ सकारात्मक संबंध, षिक्षा की महत्ता, स्वास्थ्य, स्वच्छता, पंचायत के दायित्व, समाज, मासिक धर्म की जानकारी व शारीरिक सुरक्षा के मुद्दों की जानकारी दी गयी ।

उपलिब्ध :–

1. ग्राम में कम उम्र में बालिकाओं के विवाह नही हुयें ।

2. छात्राएँ में अपने अधिकारो के प्रति समझ विकसित हुई ।
3. बालिकाओं को अनुषासन सीखने को मिला ।
4. बीमारियों में कमी आयी ।
5. स्वच्छता व स्वास्थ्य के प्रति छात्राएँ ध्यान देने लगे ।
6. स्कूली बच्चो के रहन–सहन व सफाई के स्तर में सुधार हुआ है ।
7. गॉव के हैण्डपम्प व कुओं के आस–पास ग्रामवासी सफाई समय –समय पर करते है।

2. **षिक्षा जागरूकता :–** छात्राओं के पालक एवं शाला षिक्षक संघ के सदस्यों के साथ बैठक आयोजित कर छात्राओं के शैक्षणिक विकास, उसमें आने वाली समस्याओं एवं छात्राओं के बेहतर षिक्षा परिणाम के लिये किये जाने वाले समन्वित प्रयास पर चर्चा की गई । जिसमें पालकों को छात्राओं की षिक्षा का महत्व षिक्षा का अधिकार,उससे जुड़ी कुछ अति आवष्यक बातों के बारे में बताया गया तथा बच्चों के इस अधिकार में पालकों की क्या भूमिका होना चाहिये, स्कूल की शाला प्रबंधन समिति में उनकी क्या भूमिका होना चाहिये तथा बच्चों के प्रति अपनी जवाबदारी के बारे विस्तार से बताने का प्रयास किया गया।बच्चों की उच्च षिक्षा क्यों आवष्यक है यह किस तरह हमारे जीवन को और भी बेहतर बना सकती है इसके बारे में समझाने का प्रयास किया गया । पालको से अपनी बच्चियों को बेहतर षिक्षा दिलाने के लिये एक सहयोगी पालक होने के अपने फर्ज को पूरा करने की सहमति बनाने का प्रयास किया गया । एवं षिक्षा के अवसरों में कभी भी

बच्चों में लड़का–लड़की का भेद नहीं करने की बात कही गयी जिससे लड़कियों को भी समान अवसर मिल सकें ।

उपलब्धि :–

1. **षिक्षा के प्रति समझ विकसित हुई ।**
2. पॉच ग्रामों में षाला अप्रवेषी कोई छात्र–छात्रा नहीं है।
3. बालिका षिक्षा के प्रति पालको की समझ विकसित हुई ।
4. **बालक–बालिका में भेद कम हुयें ।**

3. **स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम :–** सभी छात्राओं को बेहतर स्वास्थ्य की ओर व उनके उत्तम स्वास्थ्य, पूरक पोषण आहार, टीकाकरण आदि का बेहतर प्रयास कर छात्राओं को आवष्यक दवायें व सुझाव कार्यकर्ता के द्वारा दिये गये।

1. प्रतिदिन सुबह उठने के बाद में वह अपने दातों की सफाई अच्छी तरह से करें जिससे दांत साफ होगें तो उन्हें दातों संबंधी किसी भी प्रकार परेषानी का सामना नही करना पड़ेगा।
2. सभी छात्राओं को बताया कि ठण्ड के मौसम में सुबह जल्दी उठकर थोड़ा टहलने जायें। जिससे स्वास्थ्य हमेषा अच्छा रहता है।

3. ठण्डी के दिनो में घुमने से हमें किसी प्रकार की बीमारी का सामना नही करना पड़ता है।
4. नाखूनों की सफाई समय–समय पर करते रहना चाहिए।
5. ताजे बने भोजन का उपभोग करे यदि भोजन विषेष प्रकार बदबू आ रही हो तो उस

भोजन का सेवन न करें।

6. तेज धूप और गर्मी में से आने के तुरन्त बाद में पानी न पिये थोडे समय रूके उसके बाद में पानी पिये।
7. तेज धूप में निकलने पहले सिर पर कोई रूमाल जैसा कपड़ा अवष्य लपेटे जिससे आप तेज धूप से बच सकेंगे।
8. फल का सेवन करे।
9. हरी और पत्तेदारी सब्जी को अपने भोजन में अवष्य शामिल करें।

उपलिब्ध :–

1. बीमारियों में कमी आयी ।
2. स्वच्छता व स्वास्थ्य के प्रति छात्राऍ ध्यान देने लगे ।
3. स्कूली बच्चो के रहन–सहन व सफाई के स्तर में सुधार हुआ है ।

4. **महिला जागरूकता कार्यक्रम :–**कार्यक्षेत्र के ग्रामों में बैठको के माध्यम से लड़का –लड़की में लिंग भेद जैसी जटिल मानसिक दुर्भावनों पर विचार विमर्ष करते हुए निम्न जानकारी बैठको के माध्यम से प्रदान की गई । कम उम्र मे लड़कियों का विवाह नही करना ,जन्में षिषु लड़का व लड़की मे अतंर न समझाना ,कम उम्र मे गर्भ धारण न करना,षिषुएवं माता की मृत्यु ,दर मे कमी हेतु स्वास्थ्य व स्वच्छता के प्रति जागरूकता होना ,गर्भकाल में माता व बच्चे की पर्याप्त देखभाल करना ,एड्स से बचाव के संबंध में जानकारी ,गर्भ में लिंग जॉच करवाना अपराध हैं

उपलब्धियॉ :–

1 गर्भ में लिंग जॉच जैसी कोई भी घटना या भ्रुण हत्या जैसा कृत्य नही हुआ है।

2 महिलाओं में विवाह की उम्र को लेकर चिंता जागृत हुई हैं।

3 कम उम्र की बालिकाओं के विवाह पर रोक लगी ।

4 बालिका षिक्षा को बढावा मिला ।

5 परिवार मे लड़कियो के स्वास्थ्य षिक्षा व खान –पान पर ध्यान दिया जाने लगाा है।

5. स्वच्छता कार्यक्रम :– स्वच्छता व स्वास्थ्य कार्यक्रम के माध्यम से 20 गॉव के प्रतिनिधियो को बैठको के माध्यम से स्वयं की स्वच्छता व स्वास्थ्य संबंधी आदतों को एवं उसके स्तर में सुधार लाते हुये सम्पूर्ण ग्राम परिवेष की स्वच्छता को बेहतर करने के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया जिससे गंदगी व बिमारी के दुष्चक में न फॅस सके । इस संबंध में स्वच्छता के महत्वपूर्ण सात मुद्दो की जानकारी प्रदान की गई ।

उपलब्धि :–

1. बीमारियों में कमी आयी ।
2. स्वच्छता व स्वास्थ्य के प्रति ग्रामवासी ध्यान देने लगे
3. पंचायत की योजना और स्वेच्छा से ग्रामवासी कम लागत के षुष्क षौचालय बनाने की षुरूआत कर चुके हैं ।
4. स्कूली बच्चो के रहन–सहन व सफाई के स्तर में सुधार हुआ है ।
5. गॉव के हैण्डपम्प व कुओं के आस–पास ग्रामवासी सफाई करते पाये गये है ।

6. स्प्पि अभियान :– विगलॉग मतदाता के साथ भीमपुर एवं भैसदेही विकासखण्ड पर स्पीप

अभियान जिला पंचायत के साथ मिलकर किया गया जिसमें ग्राम भाण्डवा में मषीन के माध्यम से लोगो को कैसे अपने मतदान करना है यह बताया गया तथा ग्राम रैली निकालकर मतदान करने के लिये जागरूक करने का प्रयास किया गया ।

प्रमोद नाईक
सचिव
प्रगति ग्रामीण विकास संस्था
बैतूल